

# NCERT Solution

---

पाठ - 15

सूरदास के पद

पदों से:

**उत्तर1:** माता यशोदा ने श्रीकृष्ण को बताया की दूध पीने से उनकी चोटी बलराम भैया की तरह हो जाएगी। श्रीकृष्ण अपनी चोटी बलराम जी की चोटी की तरह मोटी और बड़ी करना चाहते थे इस लोभ के कारण वे दूध पीने के लिए तैयार हुए।

**उत्तर2:** श्रीकृष्ण अपनी चोटी के विषय में सोच रहे थे कि उनकी चोटी भी बलराम भैया की तरह लम्बी, मोटी हो जाएगी फिर वह नागिन जैसे लहराएगी।

**उत्तर3:** दूध की तुलना में श्रीकृष्ण को माखन-रोटी अधिक पसंद करते हैं।

**उत्तर4:** 'तैं ही पूत अनोखी जायौ' - पंक्तियों में ग्वालन के मन में यशोदा के लिए कृष्ण जैसा पुत्र पाने पर ईर्ष्या की भावना व कृष्ण के उनका माखन चुराने पर क्रोध के भाव मुखरित हो रहे हैं। इसलिए वह यशोदा माता को उलाहना दे रही हैं।

**उत्तर5:** श्रीकृष्ण को माखन ऊँचे टंगे छीकों से चुराने में दिक्कत होती थी इसलिए माखन गिर जाता था तथा चुराते समय वे आधा माखन खुद खाते हैं व आधा अपने सखाओं को खिलाते हैं। जिसके कारण माखन जगह-जगह ज़मीन पर गिर जाता है।

**उत्तर6:** दोनों पदों में प्रथम पद सबसे अच्छा लगता है। क्योंकि यहाँ बाल स्वभाववश प्रायः श्रीकृष्ण दूध पीने में आनाकानी किया करते थे। तब एक दिन माता यशोदा ने प्रलोभन दिया कि कान्हा ! तू नित्य कच्चा दूध पिया कर, इस से तेरी चोटी दाऊ (बलराम) जैसी मोटी व लंबी हो जाएगी। मैया के कहने पर कान्हा दूध पीने लगे। अधिक समय बीतने पर श्रीकृष्ण अपने बालपन के कारण माता से अनुनय-विनय करते हैं कि तुम्हारे कहने पर मैंने दूध पिया पर फिर भी मेरी चोटी नहीं बढ़ रही। उनकी माता से उनकी नाराज़गी व्यक्त करना, दूध न पीने का हट करना, बलराम भैया की तरह चोटी पाने का हट करना हृदय को बड़ा ही आनंद देता है।

**अनुमान और कल्पना:**

---

## NCERT Solution

उत्तर1: दूसरे पद को पढ़कर लगता है कि उस समय श्रीकृष्ण की उम्र चार से सात साल रही होगी तभी उनके छोटे-छोटे हाथों से सावधानी बरतने पर भी माखन बिखर जाता था।

भाषा की बात:

उत्तर1: माखन चुरानेवाला - माखनचोर

उत्तर2: श्रीकृष्ण के पर्यायवाची शब्द - गोविन्द, रणछोड़, वासुदेव, मुरलीधर, नन्दलाल।

उत्तर3:

पर्यायवाची	चंद्रमा-शशि, इंद्र, राका मधुकर- भ्रमर, भौरा, मधुप सूर्य- रवि, भानु, दिनकर
विपरीतार्थक	दिन-रात श्वेत-श्याम शीत-उष्ण

पाठों से दोनों प्रकार के शब्दों को खोजकर लिखिए।

पर्यायवाची शब्द	बेनी - चोटी मैया - जननी, माँ, माता दूध - दुग्ध, पय, गोरस काढ़त - गुहत बलराम - दाऊ, हलधर ढोटा - सुत, पुत्र, बेटा
विपरीतार्थक शब्द	लम्बी - छोटी स्याम - श्वेत संग्रह - विग्रह विज - अज्ञ रात - दिन प्रकट - ओझल